अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पस्पर्धा में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने पश्चिम बंगाल में स्थापित किये जाने वाले थर्मल पावर परियोजना के मुख्य प्लांट पैकेज की आपूर्ति व स्थापना हेतु एक बड़ा ऑर्डर प्राप्त किया है जिसमें 600 मेगावाट प्रत्येक की दो यूनिटें शामिल हैं ।

32,20 करोड़ रूपये का यह ऑर्डर सागरडिगी थर्मल पावर परियोजना चरण 2, पश्चिम बंगाल पावर डवलमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा प्रदान किया गया है । यह ऑर्डर, ग्राहक का कम्पनी की इस तरह की परिययोजनाओं के निष्पादन में तकनीकी उत्कृष्टता व क्षमता में विश्वास को ही नहीं बल्कि जीवनकाल सेवा को भी प्रदर्शित करता है जिससे ग्राहक को खर्च में कटौती और जीवन पर्यन्त लाभ मिलता है ।

उल्लेखनीय है कि इस परियोजना का चरण 1, चीन के उपस्करों से स्थापित किया गया है परन्तु फिर भी ग्राहक ने बीएचईएल क्षमताओं में विश्वास को दर्शाया है और इस विस्तार परियोजना के लिए उपस्करों की आपूर्ति हेतु बीएचईएल को चुना है । यह ऑर्डर भारतीय दशाओं और भारतीय कोयले के अनुकूल अति आधुनिक तकनीक से निर्मित उपस्करों की आपूर्ति के निष्पादन में बीएचईएल के नेतृत्व को सुदृढ़ भी करेगी ।

इस ऑर्डर के तहत बीएचईएल, स्टीम टरबाइनों और बॉयलरों के डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति इरेक्शन परीक्षण एवं कमीशनिंग के कार्य क अलावा अन्य सहायक ऑक्जलरीज जिसमें

स्विचयार्ड शामिल है एंव अति आधुनिक कन्ट्रोल्स एवं इन्स्ट्रूमेंटेशन (सी एंड आई) तथा सिवलि का कार्य भी करेगी ।

बीएचईएल ने 1000 मेगावाट तक के थर्मल सेटों के विनिर्माण की अति आधुनिक तकनीक को पूर्णत: अपने यहां स्थापित कर लिया है । कम्पनी ने सुपरक्रिटिकल पेरामीटरों के साथ 600/700/800/ मेगावाट रेटिंग के थर्मल सेटों के उत्पादन हेतु अपने को सुसज्जित कर लिया है । ग्राहकों कीमांग को पूरा करने के लिए कंपनी ने 250 मेगावाट और 500 मेगावाट के अलावा 270 मेगावाट, 525 मेगावाट और 600 मेगावाट के नई रेटिंग के थर्मल सेटो को बाजार में उतारा हे ।

बीएचईएल, देश के विद्युत विकास कार्यक्रम के प्रति प्रतिबद्ध है और भविष्य में देश की विद्युत मांग को पूरा करने के लिए खुद को तकनीक, सुवधाओं व प्रशिक्षित कर्मचारियों से सुसज्जित कर भारतीय विद्युत विकास क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि करती है । कम्पनी ने अपनी विनिर्माण क्षमता को बढ़ा कर 15,000 मेगावाट प्रति वर्ष कर स्थापित कर ली है और इसे बढ़ा कर 20,000 मेगावाट प्रति वर्ष करने का कार्य प्रगति पर है ।